269 Written Aiuwen

to Questions 270

Beggar Homes for providing vocational and technical education for the rehabilitation of beggars. There are 12 Beggar Homes in the National Capital Territory of Delhi.

स्वायलगासी निकायों ग्रौर संगठनों में आरज्ञण

7292. श्री अलाईन यादव : क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने सरकारी प्रति-ण्ठानों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों और बीमा कम्पनियों को सरकार के निर्णय के ग्रनुसार ग्रन्य पिछड़े वर्गों को 27 प्रतिझत न्नार क्षण देने के लिए हिदायतें जारी कर दी हैं ; ग्रीर

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार स्वा-यत्तगासो निकायों धौर सरकारी प्रनुदानों पर चलने वाले सगठनों में ग्रन्य पिछड़े वर्गों को भी ग्रारक्षण का लाभ देने का विचार रखती है ?

फ∉याण मंद्रालय में राज्य मंत्री (थी के. ञी. संगकाबाल): (क) जी, हां।

(ख) इस सबध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है ।

राज्यों में अन्य पिछड बगौं की पहचान

7293. श्री जनार्दन यादव : क्या कल्यान मंत्री 18 मार्च 1994 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सख्या 3564 के दिये गये उत्तार को देखेंगे और बताने की कुपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने उन राज्यों में ग्रन्थ पिछड़े दर्गों का पता लगाने के लिए क्या कदम उठाये हैं जहां पर ग्रब तक पिछड़े वर्गों का पता नहीं लगाया गया है ; ग्रौर

(ख) क्या राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेक्षों द्वारा श्रन्य पिछड़े बगौँ का पता लगाने के लिये हां तो उसका न्यौरा क्या है ? कल्याण मंत्राखय में राज्य मंती (थी के. बी. तंक्कावालू): (क) भारत सरकार उन राज्यों।सध राज्य क्षेत्रों केप्रेशा-सनों के साथ, जिन्होंने अभी तक अन्य पिछड़े वर्गों की पहचान उन्हें सूचित नहीं किया है लिखा पढ़ी कर रही है कि व अन्य पिछड़े यगों की शीघ्र पहचान/अधिसुचित करें।

(ख) उन राज्यों/सघ राज्य क्षेत्रों में ग्रन्य पिछड़े वगों की पहचान के लिए कोई सभय सीमा निश्चित नहीं की जा सकती क्योंकि सांबैधानिक दायित्वों की पूर्ति में धन्य पिछड़े वगों की पहचान करने का काम सबधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों का है।

अग्म पिछड़े वर्गों के अर्थ्वाव,यों को आयु सीमा इस्पादि की छूट

7294. आदे जनाउँन यादव : क्या कल्याण मती यह बताने की कुपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ग्रन्य पिछड़े वर्गों से सबधित भ्रभ्यथियों को ग्रनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों के अर्भ्यायियों को उपलब्ध सायु-सीमा, स्रावेदन क्रुल्क सौर ग्रक-पात्नता छूट देने का विचार रखती है ; स्रौर

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कल्यभ मंद्रालय में राज्य मंत्री (भी के.बी. तंड्यकाखालू) : (क) तथा (ख) यह मामला परीक्षणधीन है ।

Complaints with National Commission for Minorities

7295. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) what is the number of complaints received by the National Commission for Minorities against discrimination of minorities, against violation of safeguards to minorities in the Constitution and against non-im-plemetation of the safeguards by Government; and

(b) the number of cases where the Commission has initiated action so far under its power of Civil Courts?

271 Written Answers

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY Or' WELFARE (.SHRI K.. V. THANGKA BALU: (a) The National Commission ror Minorities was constituted under the National Commission tor Minormes Act, 1992 on 17th May, 19y3. The Commision had received various representations and also some complaints and upto end of March' 94 their number comes to about 450.. These include complaints regarding discriminations and other grievances of the minorities on account of compensa-teion to the riot-affected persons, recruitment, bank, loans, police atrocities and non-implementation of 15-Point Programme etc.

[RAJYA SABHA \

Some of the complaints relate to nonrecognition of minority managed educational institutions, permission to start technical educational institutions and admission to minority managed institutions. These relate to Article 30 of the Constitution about saieguard for the Right of Minorities to esiabnsn and administer educational institutions..

(b) Keeping in view the nature of complaints received by the Commission, the Commission has not demand it fit and proper to exxeroise the powers of a Civil Court vested in it under the National Commision for Minorities Act 1992.

Gift Consignment Received from Foreign Donor Organisation

7296. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) the number of bilateral agreements entered into by the Government with various foreign Government's on gift consignments received from donor organisations, during the last three years till date;

(b) the details of the supplies received as donation under the above agreements for relief and rehabilitation of the poor and the needy in this country; and (c) the names of the approved re cipient organisations in India which, received these donated supplies dutyfree alongwith the names of the approved foreign donor organisations?

MINISTER OF THE STATE IN THE MINISTRY OF WELFARE (SHRI Κ. V. THANGKA BALU): (a) In the last 3 years till date no bilateral agreement has been entered into with any foreign government for gift consignments. The Government of India entered into the bilateral agreements with USA on 5.12.68, with U.K. on 20-10-64, with Germany on (24.7.68, with Switzerland on 9.8.66 and with Sweden on 20.9.66.

(to) and (c) The information will be collected and placed on the Table of the House.

मसलमानों के लिए आरक्षग्

7297. मौलाना स्रोबदुल्ला खान आजमी :

श्री थ्रो. पी. कोहली :

क्या कल्याण मंत्री यह वराने की क्रुपा करेंगे कि:

(क) क्या नवगठित इंडियन तेशनज सीग ने केन्द्रीय सरकार की सेवाम्रों में मुसलमानों के लिए म्रारक्षण की मांग की है;

(ख) क्या यह सच है कि देश में 90 प्रतिशत मुसलमान पिछड़ें हुए हैं ;

(ग) क्या यह भी सज है कि राज-नीतिक क्षद्र में उनका उचित हि्स्सा नहीं दिया गया है ;

(व) क्या सरकार से इस झाशय की मांग की गई है कि पिछड़े हुए मुसलमानों को 27 प्रतिशत म्रारक्षण का स्राधा हिस्सा उपलब्ध कराया जाए, उन्हें छात-वृत्तियां दी जामें और शिक्षा संस्थाओं में उन्हें म्रारक्षण दिया जाए तथा पिछड़ी श्रेणियों की सूचियां तैयार करते समय